>

Title: Need to display banners & signages in Hindi language during Commonwealth Games.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): दिल्ली में राष्ट्रमंडल देशों का खेल होने जा रहा है। उसमें हजारों करोड़ रूपये खर्च होने जा रहा है। परंतु, खेद की बात है कि राजभाषा हिन्दी की उपेक्षा की जा रही है। देश भर के हिन्दी प्रेमियों, साहित्यकारों और राष्ट्र के स्वाभिमानी नागरिकों को इस बात से क्षोभ है। कनॉट प्लेस में निजी दुकानों के साइनबोर्ड सरकारी खर्चे से बनवाये जा रहे हैं। उस पर पहले हिन्दी में लिखा जाना चाहिए। राजभाषा अधिनियम के तहत दिल्ली "क" क्षेत्र में है, जहां सौ फीसदी काम हिन्दी में होना है। सभी बैनर, पोस्टर, होर्डिंग, पम्फलेट और प्रचार सामग्री हिन्दी में बनवाये जायें। पुलिस के दिशा-निर्देश सूचक पट्टिकाएं हिन्दी में लिखवाये जायें। उद्घाटन और समापन के कार्यक्रम हिन्दी में किये जायें। कमेन्ट्री सभी हिन्दी में की जायें। सरकार और आयोजन समिति इस पर ध्यान दें।